

### ग्रसाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार में प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 493]

नई विल्ली, मंगलवार, मवस्बर 16, 1976/कार्तिक 25, 1898

No. 493] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 16, 1976/KARTIKA 25, 1898

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह ग्राजग संकलन के रूप में रखा जा सक । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th November 1976

S.O. 736(E)/IDRA/29B/75.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1 dated the 16th February, 1973, namely:—

In the said notification, under Schedule II, in item (2), for the figures and words "50 per cent", the figures and words "40 per cent" shall be substituted.

In pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking which was previously exempted from the operation of sections 10, 11, 11A and 13 of the said Act by notification No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1 dated the 16th February. 1973 and which is not so exempt by virtue of this notification, shall carry on the business of such undertaking except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government and in the case of State Governments except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[No. F. 12(129)/LP/76]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

### खबोग मंत्रालय

## मोद्योगिक विकास विभाग

# प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1976

का॰ ग्रा॰ 736 (भ) /श्राई डो ग्रार ए/29 ज/75.——हेन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भीर विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29 ज की उप्यारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व ग्रीबोगिक विकास मंत्रालय (भीद्योगिक विकास विभाग) की श्रुधिपूर्वता सं० का॰ ग्रा॰ 98 (ग्राता॰) /प्राई डी ग्रार ए/29 ज/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 में निम्तलिखा ग्रीर संगोधन करती है, श्रवांत :—

उन्त श्रधिसूचना में, अनुसूची II के श्रवीन, सद (2) में, "50 प्रतिशत" अंकों भीर शब्द के स्थान पर "40 प्रतिशत" अंक श्रीर शब्द रखे जायेंगे ।

केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 29 ब की उपधारा (2) के अनुसरण में राजपत्त में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छः मास की अविधि को उस अविधि के रूप में विनिर्दिश्ट करती है, जिसकी समाध्ति के परचाल् किसी ऐसे श्रीवांगिक उपक्रम का स्वामी, जिसे अधिसूचना सं० का॰ श्रा० 98(असा०)/आई डी आर ए/29 ब/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 10, 11, 11क और 13 के प्रवर्तन से पूर्व छूट प्राप्त थी और जिसे इस अधिसूचना के फलस्वका उस प्रकार छूट प्राप्त नहीं है, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त जारी की गई अनुत्रिन के अवीन और उसके अनुसार के सिवाए तथा राज्य सरकारों की दशा में केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुज्ञा के अधीन और उसके अनुसार के सिवाए तथा राज्य सरकारों की दशा में केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुज्ञा के अधीन और उसके अनुसार के सिवाय ऐसे उपक्रम का कारबार नहीं करेगा।

[सं॰ फा॰ 12(129)/एल पी/76] श्रस्ण कूमार घोष, श्रार सन्ति।